ALIF LAAM MEEM
A PUBLICATION OF
MS RESEARCH FOUNDATION

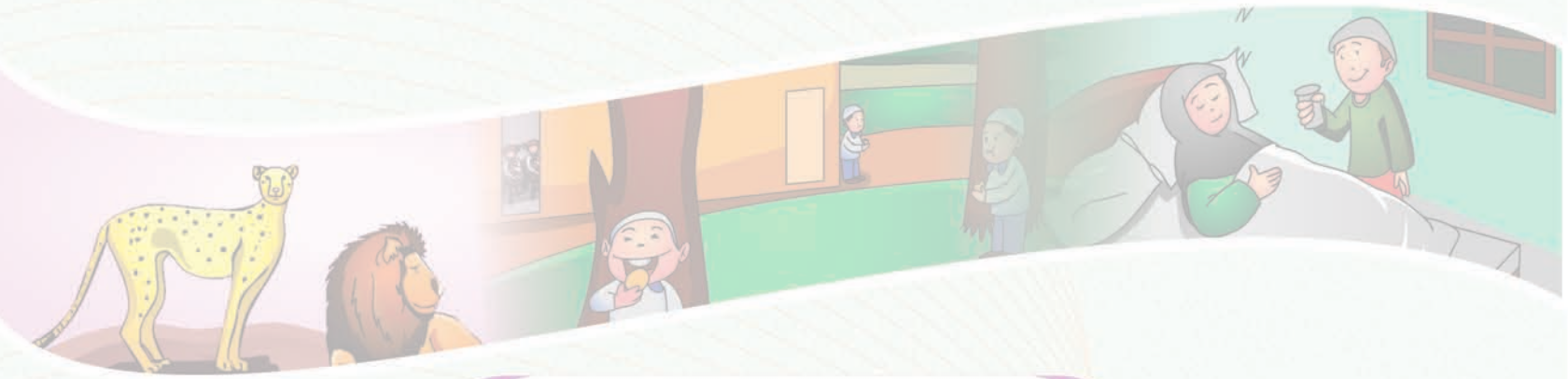

हिंदी सीखो

पाठमाला

२

TERM - 1

एकीकृत मूल्य आधारित पाठ्यक्रम

मिल्लत फ़ाउंडेशन

फ़ॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

MFERD

रेखांकरण

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 के परिच्छेद

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ का संग्रहित विश्लेषण

यह एक तथ्य है कि शिक्षा प्राप्ति के जो तरीक़े अपनाए गए हैं वे छात्रों एवं माता-पिता पर बोझ बनते जा रहे हैं। इस लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा २००५ ने पाँच मार्गदर्शक नियमों का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

(i) शिक्षा को पाठशाला के बाहर की दुनिया से जोड़ना ।
(ii) सीखते समय रटने की विधि के हटाने को सुनिश्चित बनाना।
(iii) पाठ्य पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्यक्रम की समृद्धि
(iv) परीक्षा को लचकदार बनाना और कक्षा को जीवन से जोड़ना
(v) संवेदना पूर्ण पोषण एवं चिन्ताशील लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए पहचान बनाना।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा २००५ शिक्षात्मक दृष्टि से।

एक बहुसांस्कृतिक समाज को शिक्षा, मूल्य, मानवता सहनशीलता तथा शांति को बढ़ावा देने योग्य होना चाहिए। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा के भीतर एक ऐसा ढांचा तत्पर किया गया है जो अध्यापकों और पाठशालाओं के अनुभव को प्रयोग में लाते हुए छात्रों की सोच के अनुरूप हो।

इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए पाठ्यक्रम अनुभव के आधार पर तैयार होना चाहिए। परन्तु इस के मुख्य प्रश्न कुछ इस प्रकार हैं।

(i) क्या पाठशाला शिक्षात्मक उद्देश्य को वांछित रूप से पूरा करने का प्रयास कर रहा है?
(ii) शिक्षात्मक उद्देश्य की प्राप्ति हेतु क्या अवलोकन किया जाना चाहिए।
(iii) इन शिक्षात्मक अवलोकनों को भाववाहक ढंग से किस प्रकार संगठित बनाया जा सकता है?
(iv) वांछित शिक्षात्मक उद्देश्य के समापन को किस प्रकार सुनिश्चित बनाया जाए?

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा २००५ के शिक्षात्मक मार्गदर्शक नियम

बढ़ती आयु के साथ-साथ बालक अपने वातावरण से प्राकृतिक रूप से भिन्न कौशल प्राप्त कर लेते हैं। इस के अतिरिक्त वे अपने आस-पास के वातावरण और जीवन का भी अनुसरण करते हैं। जब वे कक्षा में प्रवेश करते हैं तो उन के प्रश्न पाठ्यक्रम को स्थिर और अधिक रचनात्मक बना सकते हैं। ऐसे सुधार स्वीकृत पाठ्यक्रम नियमों के चलन में सहायक होते हैं जो ज्ञात से अज्ञात, तथ्य से कल्पना तथा क्षेत्रीय से वैश्विक की ओर ले जाते हैं।

एम एफ़ ई आर डी की पुस्तकें राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूप रेखा के मार्गदर्शक नियमों पर तैयार की गई हैं। हम चाहते हैं कि NCF की ओर से बनाए गए शिक्षात्मक उद्देश्य के कार्यान्वयन में न केवल हमारे छात्र अपनी पूर्ण भूमिका निभाएँ बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में ईमानदार तथा उत्तरदायी नागरिक बनें । हम गंभीरता एवं विश्वास के साथ इस पाठ्यक्रम पर चले तो छात्रों का व्यक्तित्व निखरेगा जो आगे चल कर दूसरों के लिए सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन सिद्ध होगा।

एम.एफ़.ई.आर.डी के दृष्टिकोण को जानने हेतु कृपया आप पुस्तक के पिछले पृष्ठ का अध्ययन करें।

परिचय

मिल्लत फ़ाउंडेशन फॉर एजूकेशन रिसर्च एंड डेवलपमेंट एक संगठन है जो प्रसार, समन्वय, सहयोग, सहकारिता एवं मुस्लिम शैक्षिक संस्थाओं को एक सार्वजनिक मंच प्रदान करने हेतु स्थापित किया गया है। इस प्रकार इस्लामी संविधान की सीमाओं में रहते हुए शैक्षिक मैदान में व्यक्तिगत एवं संस्थाओं द्वारा उत्कृष्टता प्राप्त करना है।

एम.एफ.ई.आर.डी का उद्देश्य शोध एवं विकास के माध्यम से भिन्न प्रकार की ऐसी चुनौतियों को संबोधित करना एवं उनका समाधान खोजना है जिनका शैक्षिक संगठन सामना कर रहे हैं। इस का एक प्रमुख कार्यक्रम पाठशाला तथा विद्यालय के लिए मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम तत्पर करना है जो भविष्य की पीढ़ी को विशिष्टता के लिए तैयार कर सके।

पाठ्यक्रम सीखने एवं अनुभव करने हेतु जिस के माध्यम से छात्र शिक्षाविदों, गतिविधियों, सीखने के वातावरण, मूल्यांकन, पारस्परिक वार्तालाप जैसे समूह कार्य छात्र अध्यापकों के साथ पाठशाला में प्रवेश के पश्चात से बाहर आने तक करता है। कई वर्ष बच्चे के मनोविज्ञान, शिक्षा में इस्लामी परिप्रेक्ष्य एवं भिन्न पाठ्यक्रमों की समीक्षा के पश्चात् एम.एस रिसर्च फ़ाउंडेशन ने मूल्य पर आधारित पाठ्यक्रम बनाया है जो राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुकूल है। यह बच्चों के संपूर्ण विकास, स्वयं की पहचान, समय की आवश्यकता तथा उस को भविष्य का मार्ग-दर्शक बनाने में सहयोग देगा।

निम्नलिखित पर आधारित

- उद्देश्य इस्लाम, मनोविज्ञान, शिक्षा तथा हितैशियों के अनुसार।
- पाठ्य-विवरण आयु तथा सरकारी स्तर के अनुकूल।
- कार्यप्रणाली जो छात्र केंद्रित तथा विषय के उपयुक्त साधन में अध्यापकों का प्रशिक्षण, शिक्षण में सहयोगी सामग्री एवं शिक्षक का मार्ग-दर्शन शामिल है।

- मूल्यांकन - रचनात्मक, योगात्मक, स्वयं, सह-शैक्षिक, व्यवहारवादी एवं दीर्घकालिक।
- गतिविधियाँ - पाठ्यक्रमिक, सह-पाठ्यक्रमिक तथा अतिरिक्त पाठ्यक्रमिक, आयोजन के लिए दिशा निर्देशन के साथ।
- समय बद्धता - तिथिपत्र, दिन-वर्ष की योजना, काम का बोझ, अवधि विभाजन तथा प्रतियोगिताएँ।
- अवलोकन - प्रतिक्रिया एवं अनुसंधान।

सेन्ट्रल अकेडमी फ़ॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट (CARD)

(केन्द्रित प्रशिक्षण शाला विकास एवं शोध खंड) की स्थापना परियोजना बनाने, प्रशिक्षण देने तथा विभिन्न पाठशालाओं के सभी स्तरों पर पाठ्यक्रम के कार्यान्वयन के निरीक्षण हेतु की गई है।

विषय सूची

क्रम.	पाठ का नाम	पृष्ठ-संख्या
पाठ -1.	मात्राओं का उपयोग	1-14
पाठ -2.	संयुक्ताक्षर, द्वित्ताक्षर, 'ऋ', 'र' के प्रकार	15-23
पाठ -3.	पालनहार (कविता)	24-28
	ईदुल - अज़हा (केवल पठन हेतु)	29-32
पाठ -4.	मूर्खता	33-38
पाठ -5.	सेवा का परिणाम	39-43
पाठ -6.	बच्चा और तितली (कविता)	44-48
पाठ -7.	कोई देख रहा है	49-52

भाषा की योग्यता और कौशल

क्रं. सं.	पाठ का नाम	सुनना बोलना और समझना	अध्ययन (पढ़ना)	लिखना	शब्द कोश	व्याकरण	मूल्य
1.	मात्राओं का उपयोग	लघु-दीर्घ (ह्रस्व) अक्षरों के मध्य अन्तर का ज्ञान तथा उसकी मात्राओं द्वारा शब्द निर्माण के साथ वाक्य निर्माण कराना।	अक्षरों का शुद्ध उच्चारण, मात्राओं का ज्ञान देना तथा वाक्यों को बनाना और पढ़ाना।	स्वयं के द्वारा वाक्य निर्माण।	शब्दों के अर्थ समझाना।	लघु और दीर्घ मात्राओं का ज्ञान। शब्द और वाक्य में अन्तर।	अक्षरों मात्रोंओं का ज्ञान तथा वाक्य की संरचना की क्षमता को बढ़ाना।
2.	संयुक्ताक्षर, द्वित्ताक्षर, 'ऋ', 'र' के प्रकार	आधे अक्षर और पूरे अक्षर का ज्ञान कराना, 'ऋ' 'र' के प्रकारों का अन्तर समझाना।	शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़ाना।	प्रकारों को ध्यान में रखते हुए लिखवाना।	संयुक्त शब्दों के अर्थ और उसका उपयोग समझाना।	अधिक से अधिक शब्दों से परिचय करवाना।	संयुक्त अक्षर द्वित्ताक्षर 'ऋ' 'र' के प्रकारों को स्पष्ट रूप से समझेगा।
3.	पालनहार (कविता)	विधाता का अर्थ अल्लाह, अल्लाह ने हमको कौनसी चीज़ें दी हैं? उसका ज्ञान छात्रों को छोटे छोटे प्रश्न पूछकर बताना।	कविता को हाव-भाव एंव लय के साथ पढ़ना।	श्रुतलेख एवं कठिन शब्दों के अर्थ लिखाना ख़ाली स्थान भरने के लिए कहना।	कठिन शब्दों का ज्ञान कराना।	विलोम शब्द।	अल्लाह तआला सारी कायनात का पालनहार है। अल्लाह तआला की दी हुई नेमतों का शुक्र अदा करना चाहिए ।
	ईदुल – अज़हा (केवल पठन हेतु)	कथा को रोचक ढंग से पढ़ना, कथा से छोटे-छोटे प्रश्न पूछना।	कहानी सुचारू रूप से पढ़वाना।				त्योहारों द्वारा धार्मिक संस्कृति का जागरण। बलिदान का महत्व।
4.	मूर्खता	कहानी को प्रभावशाली ढंग से पढ़ाना और सुनाना छोटे-छोटे प्रश्नोत्तर द्वारा समझाना।	नये शब्दों का ज्ञान देना,कथा को पात्रों द्वारा पढ़ाना।	अभिनय करवाएँ।	पाठ में कठिन शब्द 'शब्द बल' से परिचय कराना।	संज्ञा शब्द बताना।	खाने-पीने की चीज़ें सुन्नत के अनुसार मिलकर खाना।
5.	सेवा का परिणाम	माँ का महत्व एवं आदर को प्रधानता देते हुए प्रश्नोत्तर रूप में पाठ की ओर लेजाना।	पाठ को शुद्ध शब्दोच्चारण में विराम-चिह्नों का प्रयोग करते हुए पढ़ना एवं पढ़वाना।	प्रश्नोत्तर, ख़ाली स्थानों को भरना ।	शब्दों के अर्थ के ज्ञान एवं ध्वनि पर बल, कुछ शब्दों का अभ्यास।	विलोम शब्द वचन बदलो।	माँ की सेवा एवं माँ की दुआ का महत्व बताना।
6.	बच्चा और तितली (कविता)	बच्चों की कल्पना सम्बन्धी छोटी-छोटी कहानियों से पाठ की ओर आकर्षित करना इंसान क्यों अच्छा है? समझाना।	कविता को प्रभाव शाली ढंग से पढ़ना।	श्रुतलेख के कठिन शब्द हाँ या नहीं।	विभिन्न उक्तियों द्वारा कठिन शब्दों के अर्थ समझाना।	विलोम शब्द।	तितली से भी श्रेष्ठ मनुष्य है, वह दुनिया में रहकर अच्छे और नेक काम कर सकता है।
7.	कोई देख रहा है	अल्लाह तआला से डरना एवं बुरे कामों से बचने के सम्बन्ध में बताना।	पाठ को विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए पढ़ने की आदत डालना।	प्रश्नोत्तर, रिक्त स्थानों को भरना एवं श्रुतलेख।	शब्दों के अर्थ का ज्ञान कराना।	वचन बदलो ।	अल्लाह तआला हर क्षण मानव को देखता है मानव को अच्छे कार्य करना चाहिए।

पुनरावृत्ति

वर्णमाला

स्वर अक्षर

अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ

अं अः

व्यंजन अक्षर

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व श

ष स ह

संयुक्त अक्षर

क्ष त्र ज्ञ श्र

स्वर और मात्रा

अ	-		-	क	-	कमल
आ	-	ा	-	का	-	काजल
इ	-	ि	-	कि	-	किताब
ई	-	ी	-	की	-	कील
उ	-	ु	-	कु	-	कुली
ऊ	-	ू	-	कू	-	कूद
ऋ	-	ृ	-	कृ	-	कृषि
ए	-	े	-	के	-	केला
ऐ	-	ै	-	कै	-	क़ैदी
ओ	-	ो	-	को	-	कोयल
औ	-	ौ	-	कौ	-	कौन
		अं	-	ं		अनुस्वार
		अः	-	ः		विसर्ग

1 मात्राओं का उपयोग

पढ़िए, समझिए और लिखिए।

ब + स

क+म+ल

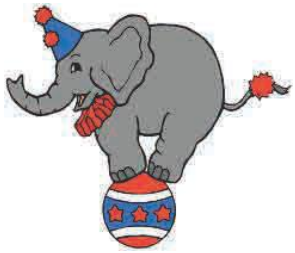

स+र+क+स

क+स+र+त

बस पर चढ़कर आ।

प्रश्न : किस पर चढ़ कर आ?

उत्तर : _____

कमल उग गए।

प्रश्न : क्या उग गए?

उत्तर : _____

सरकस जा।

प्रश्न : कहाँ जा?

उत्तर : _____

कसरत कर।

प्रश्न : क्या कर?

उत्तर : _____

आ-ा की मात्रा

अ+ा+म

इ+ब+ा+द+त

न+म+ा+ज़

त+ा+ल+ा

आम खा।

प्रश्न : क्या खा?

उत्तर : ____________________

अल्लाह की इबादत कर।

प्रश्न : किस की इबादत कर?

उत्तर : ____________________

अहमद नमाज़ पढ़।

प्रश्न : अहमद क्या पढ़?

उत्तर : ____________________

ताला घर पर लगा।

प्रश्न : ताला किस पर लगा?

उत्तर : ____________________